

कागा वे मिठडी बोल

कागा वे मिठडी बोली बोल गुरु जी कद आवनगे,

गुरु बिना मेरे जी नई लगदा ॥

गुरु बिना दरबार नई सजदा ॥

मेरी जुगा जुगा दी प्यास आन बुझावणगे,

कागा वे मिठडी बोल, गुरु जी कद आवनगे ॥

गुरु मेरा मेरे दिल दा जानी ॥

ओसदे वचन अमोलक वाणी ॥

मेनू जन्म जन्म दी विछड़ी नु पास बिठावण गे,

कागा वे मिठडी बोल, गुरु जी कद आवनगे ॥

गुरु मेरे ने मेरा भाग जगाया ॥

जन्म मरण दा गेड मुकाया ॥

साडी लाज गुरु दे हाथ विच तोड़ निभावण गे,

कागा वे मिठडी बोल, गुरु जी कद आवनगे

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/3915/title/kaaga-ve-mithadi-bol-guru-ji-kad-aavange>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |